उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद
U.P. COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
राजकीय उद्यान, करियप्पा मार्ग, आलमबाग, लखनऊ–226005
Rajkiya Udhyan, Cariappa Road, Alambagh, Lucknow-226005

पत्रांकः 2010 /एनआरएम/डब्लूबीएसएलएएजी/पीएल/2021 दिनॉकः 05.02.2026

दिनांक : 05 फरवरी, 2026
समय : 12:00 बजे
स्थान : उपकार सभाकक्ष
उपस्थिति : संलग्न

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप) की वर्ष 2025–26 की 22वीं बैठक की कृषकों के उपयोगार्थ संस्तुतियॉ

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2025–26 की 22वीं बैठक डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में दिनांक 05 फरवरी, 2026 को परिषद के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के तकनीकी अधिकारी (ग्रा.कृ.मौ.से.) सह–प्राध्यापक, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग; आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के राईस ब्रीडर एवं मौसम वैज्ञानिक; आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी; भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान; वन विभाग;उद्यान विभाग; मत्स्य विभाग; शुआट्स, प्रयागराज के वैज्ञानिक तथा उपकार के वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने भाग लिया।

उक्त के अतिरिक्त बैठक में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा के कीट वैज्ञानिक एवं मौसम वैज्ञानिक; मेरठ से मौसम वैज्ञानिक (जीकेएमएस); बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पशु चिकित्सा वैज्ञानिक; आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के पूर्व गेहूँ प्रजनक; रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के तिलहन वैज्ञानिक/अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

प्रथम सप्ताह का मौसम पूर्वानुमान (6 से 12 फरवरी, 2026)

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। प्रदेश के भाभर–तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 20 से 22 डिग्री से., पश्चिमी मैदानी क्षेत्र एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिक तम तापमान 22 से 24 डिग्री से., बुंदेलखंड क्षेत्र के अधिकांश भाग में यह 26 से 28 डिग्री से. जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 24 से 26 डिग्री से. रहने की संभावना है।

प्रदेश के भाभर तराई एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 06 से 08 डिग्री से. जबकि अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 08 से 10 डिग्री से. रहने की संभावना है।

द्वितीय सप्ताह का मौसम दृष्टिकोण (13 से 19 फरवरी 2026)

प्रदेश के भाभर–तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री से., पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के शेष भाग, मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री से., बुंदेलखंड क्षेत्र एवं विंध्य क्षेत्र के दक्षिणी भाग में यह 28 से 30 डिग्री से. जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 26 से 28 डिग्री से. रहने की संभावना है।

प्रदेश के भाभर–तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग, दक्षिणी पश्चिमी अर्धशुष्क मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग तथा पश्चिमी मैदानी, मध्य पश्चिमी मैदानी, बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 08 से 10 डिग्री से. जबकि अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 10 से 12 डिग्री से. रहने की संभावना है। इस सप्ताह के अन्तिम चरण में प्रदेश में कहीं कहीं छिटपुट वर्षा के अतिरिक्त कोई प्रभावी वर्षा होने की संभावना नहीं है।

प्रदेश में मौसम के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किसानों को अगले दो सप्ताह हेतु कृषि प्रबन्धन के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैंः–

- इस सप्ताह के दौरान मौसम मुख्यतः शुष्क रहने के साथ 6–8 फरवरी के दौरान तेज पछुवा हवाएं चलने की सम्भावना के दृष्टिगत किसान आवश्यकतानुसार ही सिंचाई करें तथा अधिक सिंचाई से बचें अन्यथा फसल गिर सकती है।
- विलम्ब से (जनवरी में) बोए गए गेहूँ के खेत में यदि अभी तक टॉप ड्रेसिंग नहीं की है तो उचित नमी की दशा में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।
- जिन खेतों में माहू दिखाई दे रहे हैं उनके नियंत्रण हेतु कृषक यलो स्टिकी ट्रैप को खेत में लगायें।
- गन्ने की लाल सड़न रोग प्रतिरोधी किस्मों की ही बुवाई करें। गन्ने के साथ अन्तःफसल के द्वारा अतिरिक्त आय हेतु उपयुक्त सब्जी एवं दलहनी फसलों की खेती करें।
- नदी के किनारे बोए जाने वाले तरबूज व खरबूज की बुआई हेतु कृषक संस्तुत प्रजातियों के बीज की व्यवस्था करें।
- आलू की खुदाई के बाद जायद में मक्के की बुवाई का समय है। अतः मक्का की संकुल किस्मों नवजोत, आजाद उत्तम, प्रताप कंचन–2, गौरव व संकर किस्मों पी.ए.सी.–751, दक्कन–115, एम.एम.एच.–133, प्रो–4212, सी.ओ.एच. (एम) 8 हरे भुट्टे माधुरी, प्रिया विन आरेंज तथा शिशु मक्का हेतु प्रकाश, पूसा अगेती संकर मक्का–2 एच.एम.–4 की बुवाई करें ।
- जुलाई से सितम्बर के मध्य लगाये गये आम, अमरूद, नींबू आदि के नवीन बागों में जो पौधे किन्हीं कारणवश मर गये हो उनके स्थान पर नये पौधे लगायें।
- कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रीय उपयोग हेतु भारत मौसम विज्ञान विभाग की बहु–जोखिम पूर्व चेतावनी निर्णय समर्थन प्रणाली का उपयोग किया जाय जिसका यूआरएल https://imdgeospatial.imd.gov.in है।

गेहूँ की खेती

- गेहूँ की आवश्यकतानुसार सिंचाई प्रत्येक बीस दिन के अन्तराल पर करें।
- गेरूई तथा पत्ती धब्बा रोग के लक्षण दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल 25 प्रतिशत ई.सी. की 500 मिली./हे. लगभग 750 ली. पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।
- गेहूँ की खड़ी फसल में यदि जिंक की कमी के लक्षण दिखाई दे तो 5 किग्रा जिंक सल्फेट तथा 16 किग्रा यूरिया को 800 ली. पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। यदि यूरिया की टॉप ड्रेसिंग की जा चुकी है तो यूरिया के स्थान पर 2.5 किग्रा बुझे हुए चूने के पानी में जिंक सल्फेट घोलकर छिड़काव करें।

तिलहनी फसलों की खेती

- राई/सरसों में कीट माहू तथा चित्रित बग का प्रकोप दिखाई देने पर इनके नियंत्रण हेतु ऑक्सीडेमेटॉन मिथाइल 25 प्रतिशत ई.सी. 1.0 ली. प्रति हेक्टेयर की दर से अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. की 250 मि.ली. मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से 600–700 ली. पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा, सफेद गेरूई एवं तुलासिता रोग का प्रकोप होने पर मेटालेक्ज़िल 4 प्रतिशत मेंकोजेब 64 प्रतिशत डब्लू.पी. की 2.5 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हेक्टेयर लगभग 1000 ली. पानी में घोलकर छिड़काव करें।

दलहन की खेती

- चने के खेत में यदि कटुआ कीट दिखाई दे रहे हों तो स्थान–स्थान पर बर्ड पर्चर लगायें।
- अरहर की फल मक्खी से प्रकोपित 5 प्रतिशत फली मिलने पर या माहू या फली चूसक कीटों का प्रकोप होने पर डाइमेथोएट 30 ईसी 1 लीटर या इमिडाप्रोपेड 17.8 एसएल 200 मिली अथवा एसिटामिप्रिड 20 डबलूपी 150 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

गन्ना की खेती

- बसन्तकालीन गन्ने की बुवाई हेतु नवीन उन्नत किस्मों यथा को.शा.–13235, को.लख.–14201, को.–15023, को.शा.–17231, को.शा.–18231, को.लख.–16202, को.शा.–14233, को.से.–13452, को.शा.–19231 आदि की बुवाई करें।

- लालसड़न रोग से संक्रमित किस्म को.–0238 की बुवाई न करें तथा पेड़ी भी न लें। ऐसे खेतों में पुनः गन्ने की बुवाई न करें।
- शरदकाल में गन्ने के साथ बोई गई अंतःफसल की कटाई/खुदाई के बाद फसल अवशेषों को गन्ने की दो लाईनों के बीच में डालकर गुड़ाई कर दें।
- पॉलीट्रे एवं एसटीपी विधि से सिंगल बड नर्सरी तैयार करने का समय प्रारम्भ हो गया है। जिन किसान भाईयों को गन्ने की नर्सरी तैयार करनी है वो नर्सरी तैयार कर लें।
- पेड़ी की शुरूआत करते समय पुरानी नालियों की छंटाई करें तथा बीज के स्थान की गुड़ाई करें व पोषक तत्वों का प्रबन्धन करें।

सब्जियों की खेती

- अक्टूबर माह में बोई गयी आलू की फसल फरवरी माह के अन्त तक पक जाती है। खुदाई से 10 दिन पहले आलू की बेल को काट दें, जिससे आलू पक जाता है और छिलका मजबूत हो जाता है।
- टमाटर तथा मिर्च की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए रोपाई एवं कद्दूवर्गीय फसलों की बुवाई फरवरी माह में कर लें।
- सब्जी मटर की फसल में डाउनी मिल्ड्यू एवं पाउडरी मिल्ड्यू का प्रकोप दखाई देने की दशा में 25 से 30 किग्रा0 प्रति हे0 की दर से गंधक के चूर्ण का छिड़काव करें।
- टमाटर तथा मिर्च की फसल को झुलसा रोग से बचाव हेतु 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) की दर से मैन्कोजेब का छिड़काव करें। फसल को कीटों से बचाव हेतु ब्यूवेरिया वेसियाना (फफूंद) 3–5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर या नीम आधारित कीट नाशकों का प्रयोग करें।

बागवानी

- आम के अगेती बौर को खर्रा या दहिया रोग से बचाने हेतु घुलनशील गंधक के 0.2 प्रतिशत घोल(2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करना चाहिए।
- वर्तमान मौसम में आम की फसल में बौर निकलने के समय भुनगा कीट का प्रकोप दिखाई पड़ने पर इमिडाक्लोप्रिड अथवा क्यूनॉलफॉस 2 मि.ली. को प्रति ली. पानी में घोलकर बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन

- राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुओं में एफ0एम0डी0 का टीकाकरण प्रत्येक जनपद के समस्त पशु चिकित्सालयों के माध्यम से टीकाकरण कार्यकर्ताओं द्वारा निःशुल्क कराया जा रहा है, जिसका लाभ कृषक/पशुपालक अपने जनपदीय मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी या निकटस्थ पशुचिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर उठा सकते हैं।
- पशुओं को सुबह व रात के समय ठण्ड से बचाव के लिए पशुबाड़ों के चारों ओर तिरपाल से ढंकें।

मत्स्य पालन

- मत्स्य बीज उत्पादक कॉमन कार्प की ब्रीडिंग प्रारंभ कराने के लिये 15 से 20 दिन पूर्व नर एवं मादा कॉमन कार्प के प्रजनक मछली (ब्रूड) को दो अलग–अलग तालाबों में संचयन कर लें।
- कार्प मछली वाले तालाब में पानी का स्तर 5 से 6 फीट एवं पंगेशियस मछली वाले तालाब में पानी का स्तर न्यूनतम 8 से 10 फीट बनाये रखें। पंगेशियस के तालाबों में प्रतिदिन 10 से 20 प्रतिशत तक पानी का बदलाव ट्यूबवेल के पानी से करें।

वानिकी

- पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली को अपनाने, कृषि वानिकी के सतत् कृषि–वन मॉडल को प्रोत्साहित करने तथा पर्यावरणीय ज्ञान को पुर्नस्थापित करने हेतु ग्राम पंचायत/नगरीय निकाय स्तर पर वन विभाग द्वारा ग्रीन चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा समय–समय पर आयोजित ग्रीन चौपाल के बैठकों में अवश्य प्रतिभाग किया जाय।
- वन विभाग द्वारा कार्यान्वित कार्बन फाइनेंस प्रोजेक्ट के माध्यम से जीवांश कार्बन की बढोत्तरी कर कृषक कार्बन क्रेडिट के रूप में अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकते हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन

- मौसम सम्बन्धी आपदाओं से बचने के लिए **सचेत ऐप** (SACHET App) डाउनलोड करें जिससे आपदाओं का पूर्वानुमान प्राप्त हो सके। राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत फसल, पशु क्षति, पशुबाड़ा क्षति की राहत हेतु आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कंट्रोल रूम 1077 तथा राज्य आपदा कंट्रोल रूम 1070 पर संपर्क करें।
- **नोटः–**क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां वेबसाईट upcar.up.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।
- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की संस्तुतियां कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा एफ.पी.ओ. को प्रेषित की जा रही हैं, इनसे अनुरोध है कि यदि इनके कोई सुझाव हो तो परिषद के ईमेल upcar12@gmail.com पर प्रेषित करने का कष्ट करें जिससे आगामी बैठकों में उनके सुझावों पर चर्चा कर संस्तुतियां दी जा सकें।

(संजय सिंह)
महानिदेशक

प्रतिलिपिः उपरोक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
2. निजी सचिव, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय राज्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. निजी सचिव, माननीय अध्यक्ष, को माननीय अध्यक्ष जी के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
5. निजी सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन को महोदय के सूचनार्थ।
6. प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
7. अपर मुख्य सचिव, उद्यान, उ.प्र. शासन।
8. अपर मुख्य सचिव, पशुपालन, उ.प्र. शासन।
9. अपर मुख्य सचिव, मत्स्य, उ.प्र. शासन।
10. अपर मुख्य सचिव, रेशम, उ.प्र. शासन।
11. अपर मुख्य सचिव, नियोजन योजना भवन, लखनऊ।
12. कुलपति, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ, बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा, सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
13. गन्ना आयुक्त, गन्ना आयुक्त कार्यालय, 17 न्यू बेरी रोड, गन्ना किसान संस्थान, डालीबाग, लखनऊ।
14. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उ.प्र., केसरबाग, लखनऊ।
15. राहत आयुक्त, उ.प्र. शासन को इस आशय से प्रेषित कि वह ग्राम प्रधान को समूह की संस्तुतियां प्रेषित करेगें।
16. अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ. प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ।
17. समस्त जिलाधिकारी, उ.प्र.।
18. निदेशक कृषि, कृषि भवन, लखनऊ।
19. निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
20. निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ।
21. निदेशक, राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ।
22. अध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ।
23. निदेशक, उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर।
24. निदेशक, रेशम, रेशम विभाग, गोमती नगर, लखनऊ।
25. निदेशक, मत्स्य, मत्स्य निदेशालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ।

26. निदेशक, उद्यान, उद्यान विभाग, लखनऊ।
27. निदेशक, पशुपालन, पशुपालन विभाग, लखनऊ।
28. निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ।
29. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, वन विभाग, 17 राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
30. प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, बादशाहनगर, लखनऊ।
31. निदेशक, सांख्यिकी, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
32. निदेशक प्रसार, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर/ आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या/ सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ/ बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा/ सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
33. निदेशक, दूरदर्शन, लखनऊ।
34. निदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ।
35. निदेशक, रिमोट सेन्सिग एप्लीकेशन सेण्टर, सेक्टर जी, जानकीपुरम, कुर्सी रोड, लखनऊ।
36. निदेशक, कृषि मौसम, मौसम केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
37. निदेशक सूचना, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उ.प्र. लखनऊ।
38. अपर कृषि निदेशक(सामान्य), कृषि निदेशालय, कृषि भवन, लखनऊ।
39. अपर कृषि निदेशक, प्रसार, कृषि भवन, लखनऊ।
40. अपर कृषि निदेशक, कृषि रक्षा, कृषि भवन, लखनऊ।
41. संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण, कृषि भवन, लखनऊ को किसान कॉल सेंटर के उपयोगार्थ प्रेषित।
42. कृषि विभाग के सभी संयुक्त कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी
43. प्रदेश के 20 कम्युनिटी रेडियो।
44. प्रदेश के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र
45. प्रदेश के 1500 एफ.पी.ओ.
46. बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारी/वैज्ञानिक।
47. निजी सचिव महानिदेशक, उपकार को महानिदेशक महोदय के सूचनार्थ।

(विनोद कुमार तिवारी)
प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव

संलग्नक

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्राप वेदर वाच ग्रुप) की वर्ष 2025–26 की 22वीं बैठक दिनांक 05 फरवरी, 2026 की उपस्थिति

1. डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार, लखनऊ।
2. डा. संजीव कुमार, उपमहानिदेशक, उपकार, लखनऊ
3. डा. राजर्षि कुमार गौड़, उपमहानिदेशक (आर.पी.एम.सी), उपकार, लखनऊ
4. डा. परमेन्द्र सिंह, उपमहानिदेशक (कृ.शि.त.ह.), उपकार, लखनऊ
5. डा. विनोद कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ।
6. डा. टी.के. श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी कृषि मौसम विभाग, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
7. डा. गौरव वार्ष्णेय, संयुक्त निदेशक, वन विभाग, लखनऊ।
8. श्री अतुल कुमार सिंह, प्रभारी वैज्ञानिक, आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
9. डा. सौरभ दीक्षित, राईस ब्रीडर, क्राप रिसर्च स्टेशन, मसौधा, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या।
10. डा. सोमवीर सिंह, सह प्राध्यापक, अनुवांषिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
11. डा. सुरेन्द्र कुमार सिंह, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (कीट विज्ञान विभाग), बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा (ऑनलाइन)।
12. डा. विनोद सिंह, पूर्व गेहूं प्रजनक, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या (ऑनलाइन)।
13. डा. प्रिया रंजन कुमार, सह प्राध्यापक (पशु चिकित्सा स्त्री रोग), बी.एच.यू. वाराणसी (ऑनलाइन)।
14. डा. राकेश चौधरी, वैज्ञानिक, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी (ऑनलाइन)।
15. डा. दिनेश शाह, प्राध्यापक, शस्य विज्ञान एवं इंचार्ज, एग्रोमेट आवजरवेट्री, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा (ऑनलाइन)।
16. श्री अमरनाथ मिश्र, सहायक प्राध्यापक (कृषि मौसम), आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या।
17. श्रीमती सीमा, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक, मत्स्य विभाग, लखनऊ।
18. श्रीमती प्रियंका द्विवेदी, प्रोजेक्ट एक्सपर्ट, उ.प्र. डिजास्टर मैनेजमेंट एथारिटी, प्रथम तल पिकअप भवन, गोमती नगर, लखनऊ (ऑनलाइन)।
19. डा. अनुष्का पाण्डेय, प्रोग्राम मैनेजर, क्राप वेदर वॉच ग्रुप, उपकार, लखनऊ।
20. डा. श्वेता सिंह, तकनीकी अधिकारी (ग्रा.कृ.मौ.से.), स.व.पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ (ऑनलाइन)।
21. श्री अजय कुमार मिश्रा, तकनीकी अधिकारी, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
22. डा. सचिन आर्या, कीट वैज्ञानिक, उद्यान विभाग, लखनऊ।
23. श्री प्रतीक कुमार, तकनीकी अधिकारी, शुआट्स, प्रयागराज ।